स्वामी विवेकानन्द का शैक्षिक दर्शन

सुधाँशु कुमार पाण्डेय
(असिस्टेंट प्रोफेसर)
बी०एड० विभाग
महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
हरदोई, उत्तर प्रदेश

शिक्षा की परिभाषा

- शिक्षा मनुष्य की अन्तर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति है |
- Education is the manifestation of the perfection in man.

शिक्षा के उद्देश्य

- अन्तर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति करना
- मानव-निर्माण के प्रयास करना
- शारीरिक पूर्णता का प्रयास करना
- मानव के चरित्र का निर्माण करना
- मानव को जीवन के संघर्ष हेतु तैयार करना
- मानव में राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना

पाठ्यक्रम

- धर्म
- दर्शन
- भाषा
- पाश्चात्य ज्ञान-विज्ञान
- तकनीक
- औद्योगिक प्रशिक्षण
- खेलकूद एवं स्वास्थ्य शिक्षा

शिक्षक का दायित्व

- सदाचारी
- त्यागी
- उच्च भाव
- मानव-जाति के प्रति प्रेम
- चरित्र जाज्वल्यमान अग्नि जैसा
- विद्यार्थी के मार्ग से रूकावटें हटाने वाला
- शिक्षा का सजीव आदर्श

विद्यार्थी का दायित्व

- कठोर नियमों का पालनकर्ता
- इन्द्रिय निग्रही
- ब्रह्मचर्य पालनकर्ता
- सत्य का जिज्ञासु
- शिक्षक के प्रति श्रद्धा रखने वाला
- विनम्र
- समर्पित
- सम्मान देने वाला

स्त्री शिक्षा

- शिक्षा प्रक्रिया में स्त्री-पुरूष समानता हो
- राष्ट्र की उन्नति के लिए महिलाओं की शिक्षा अत्यन्त आवश्यक
- भाषा, गणित, विज्ञान, सामाजिक विषयों तथा लौकिक विषयों की शिक्षा
- सीता का चरित्र शिक्षा हेतु आदर्श
- महिलाओं को शिक्षित किया जाय ताकि वे अन्य महिलाओं को शिक्षा प्रदान कर सकें

जन शिक्षा

- शिक्षा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे
- भ्रमणकारी सन्यासी शिक्षा का प्रसार जन मानस में करें

अनुशासन

- आत्मानुशासन
- प्रभावकारी अनुशासन